पाठ 13. संगति का फल

पाठ की भूमिका

यह कविता अच्छाई और बुराई में अंतर की ओर इशारा करती है। गुलाब के संपर्क में रहने के कारण वहाँ की मिट्टी भी सुगंधित हो जाती है। इसी प्रकार सज्जन व्यक्तियों का संपर्क हमें सज्जनता का पाठ सिखा जाता है। इस कविता का उद्देश्य बच्चों में स्व-जागरूकता का कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में अपनी पसंद व नापसंद की पहचान कर सकें।

पाठ का सार

गुलाब का पौधा जिस स्थान पर उगा है, उस स्थान पर पड़ा एक ढेला उठाकर सूँघने से उसमें भी गुलाब जैसी खुशबू आती है। कवि कहते हैं कि इसी प्रकार अच्छे लोगों के संपर्क में रहने से उनकी छाप हमारे जीवन पर पड़ती है। अत: हमें बुरे लोगों से बचना चाहिए और अच्छे लोगों के संपर्क में अच्छी-अच्छी बातें सीखनी चाहिए।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का सस्वर वाचन करें और बच्चों से उसका अनुसरण करने को कहें। बीच-बीच में गुलाब के फूल के रंग-रूप-गंध, आदि के बारे में बताते जाएँ। अच्छी संगति और बुरी संगति का तुलनात्मक विवरण उदाहरणसहित दें। साथ ही, बच्चों को अच्छी संगति में रहने के लिए प्रोत्साहित करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या** 10 देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - बच्चे मात्रा-संबंधी अशुद्धियाँ बहुत करते हैं। उन्हें उच्चारण के माध्यम से **ओ-औ** व **उ-ऊ** की मात्राओं में अंतर समझाएँ। 'ढेला' शब्द पर विशेष ध्यान आकृष्ट करते हुए बतलाएँ कि शब्द के प्रारंभ में 'ढ़' वर्ण नहीं आता है।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - बच्चों से अपेक्षा करे कि वे गेंदा, गुलाब, जूही, चमेली, आदि फूलों के नाम तथा सेब, संतरा, केला, आदि फलों के नाम बताएँ।
  - छोटा-सा पौधा या उसका चित्र दिखाकर बच्चों को पौधे के विभिन्न भागों के बारे में जानकारी दें। जैसे-जड़, तना, शाखा, पत्ता, फूल, फल, आदि।